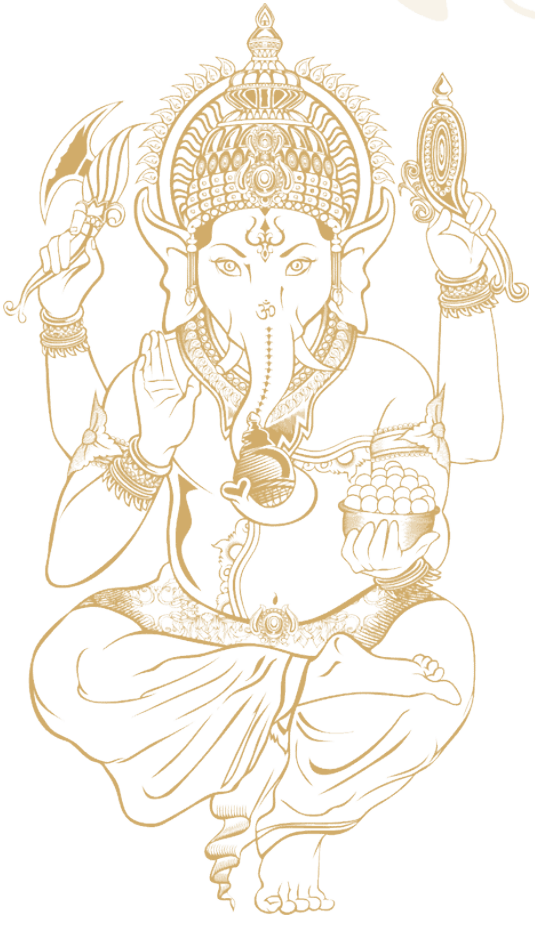

B . Upadhyay

20 Feb 2023

06:38 PM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121109804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/02/2023**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:38:00 घंटे**
इष्ट	30:26:33 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:43:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:46 घंटे
साम्पातिक काल	04:44:03 घंटे
सूर्योदय	06:27:22 घंटे
सूर्यास्त	17:50:06 घंटे
दिनमान	11:22:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:26:36 कुम्भ
लग्न के अंश	18:50:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:50:53	321:10:49	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	07:26:36	01:00:31	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	10:59:53	15:06:33	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	21:44:40	00:21:16	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध			मक	19:01:03	01:31:50	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	15:50:04	00:12:55	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मीन	06:05:22	01:13:50	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि		अ	कुंभ	04:01:33	00:07:15	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	12:00:46	00:09:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	12:00:46	00:09:22	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष			मेष	21:07:03	00:01:28	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			मीन	00:04:02	00:02:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो			मक	05:05:04	00:01:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			वृष	18:18:00	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:40

लग्न-चलित

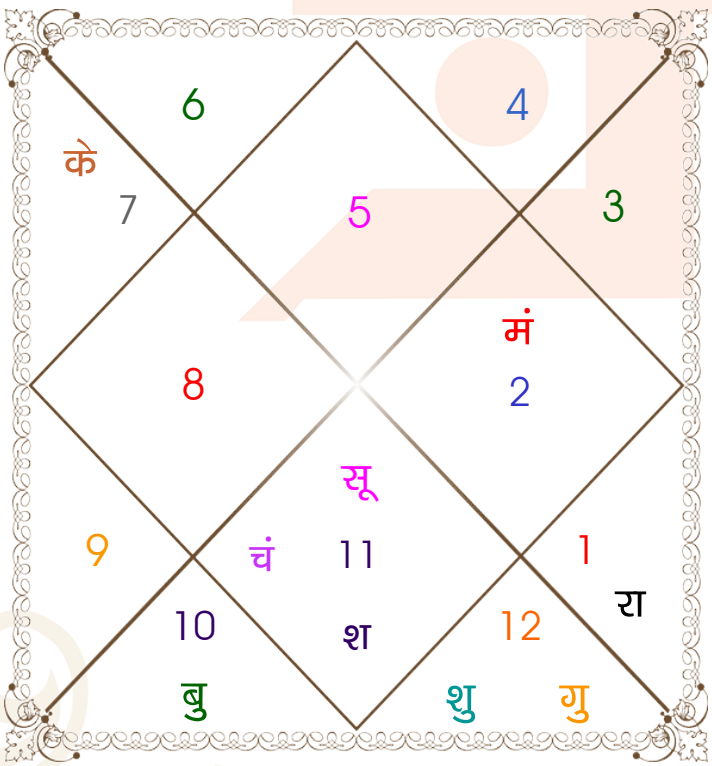

चन्द्र कुंडली

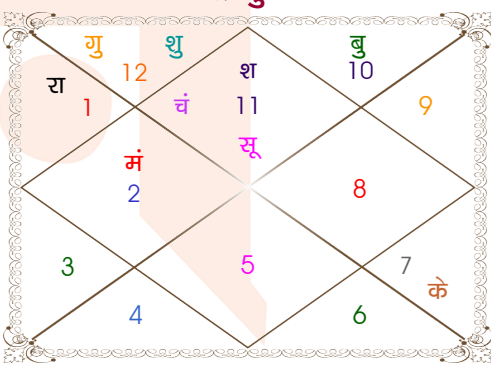

नवमांश कुंडली

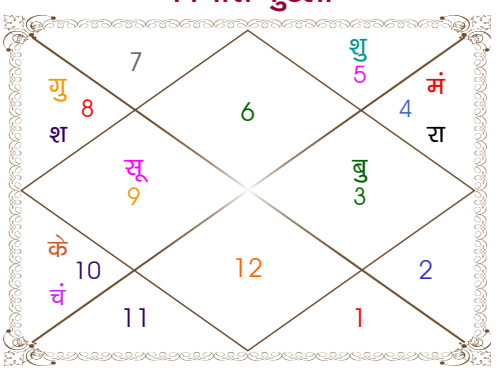

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 1 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/02/2023		17/04/2035		17/04/2051		17/04/2070		17/04/2087	
17/04/2035		17/04/2051		17/04/2070		17/04/2087		17/04/2094	
	00/00/0000	गुरु	04/06/2037	शनि	20/04/2054	बुध	12/09/2072	केतु	13/09/2087
	20/02/2023	शनि	17/12/2039	बुध	28/12/2056	केतु	10/09/2073	शुक्र	12/11/2088
शनि	29/03/2025	बुध	23/03/2042	केतु	06/02/2058	शुक्र	11/07/2076	सूर्य	20/03/2089
बुध	17/10/2027	केतु	27/02/2043	शुक्र	07/04/2061	सूर्य	17/05/2077	चंद्र	19/10/2089
केतु	03/11/2028	शुक्र	28/10/2045	सूर्य	20/03/2062	चंद्र	16/10/2078	मंगल	17/03/2090
शुक्र	04/11/2031	सूर्य	17/08/2046	चंद्र	20/10/2063	मंगल	14/10/2079	राहु	05/04/2091
सूर्य	28/09/2032	चंद्र	17/12/2047	मंगल	28/11/2064	राहु	02/05/2082	गुरु	11/03/2092
चंद्र	30/03/2034	मंगल	21/11/2048	राहु	05/10/2067	गुरु	07/08/2084	शनि	20/04/2093
मंगल	17/04/2035	राहु	17/04/2051	गुरु	17/04/2070	शनि	17/04/2087	बुध	17/04/2094

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/04/2094		18/04/2114		17/04/2120		18/04/2130		18/04/2137	
18/04/2114		17/04/2120		18/04/2130		18/04/2137		00/00/0000	
शुक्र	16/08/2097	सूर्य	05/08/2114	चंद्र	16/02/2121	मंगल	14/09/2130	राहु	30/12/2139
सूर्य	17/08/2098	चंद्र	04/02/2115	मंगल	17/09/2121	राहु	02/10/2131	गुरु	24/05/2142
चंद्र	17/04/2100	मंगल	12/06/2115	राहु	19/03/2123	गुरु	07/09/2132	शनि	21/02/2143
मंगल	17/06/2101	राहु	06/05/2116	गुरु	18/07/2124	शनि	17/10/2133		00/00/0000
राहु	17/06/2104	गुरु	22/02/2117	शनि	16/02/2126	बुध	14/10/2134		00/00/0000
गुरु	16/02/2107	शनि	04/02/2118	बुध	18/07/2127	केतु	13/03/2135		00/00/0000
शनि	18/04/2110	बुध	11/12/2118	केतु	16/02/2128	शुक्र	12/05/2136		00/00/0000
बुध	16/02/2113	केतु	18/04/2119	शुक्र	17/10/2129	सूर्य	16/09/2136		00/00/0000
केतु	18/04/2114	शुक्र	17/04/2120	सूर्य	18/04/2130	चंद्र	18/04/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।